



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2017

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER II

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours

100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए

नीति और न्याय

प्राचीन समय की बात है। महाभारत के युद्ध के पश्चात् युधिष्ठिर को हस्तिनापुर का राजा बनाया गया क्योंकि वे पाण्डव भाइयों में सबसे बड़े थे। युधिष्ठिर न्यायप्रिय और नीति कुशल राजा थे। एक दिन वे अपने दरबार में बैठे हुए मन्त्रियों के साथ विचार विमर्श कर रहे थे। उसी समय एक किसान अपनी फरियाद लेकर उनके पास आया। उसने युधिष्ठिर से कहा "महाराज किसी ने मेरे बैल चुरा लिए हैं। कृपया चोर को ढूँढकर मेरे बैल मुझे वापस दिलवा दीजिए।" युधिष्ठिर अपने कार्य में इतने व्यस्त थे कि उन्होंने उसे बाहर बैठकर प्रतीक्षा करने के लिए कहा। वह किसान बाहर बैठकर इन्तजार करने लगा। मन्त्रियों से बातचीत करने के पश्चात् युधिष्ठिर किसी और काम में व्यस्त हो गए। उन्हें किसान का ख्याल ही नहीं आया। अन्त में जब महाराज सारे काम निबटाकर दरबार से जाने लगे तो किसान ने उन्हें अपनी समस्या याद दिलाई लेकिन उस समय युधिष्ठिर काफी थके हुए थे। उन्होंने किसान दूसरे दिन आने के लिए कहा। किसान को व्यवहार से बहुत निराशा हुई। वह उदास होकर महल से जाने लगा। महल के बाहर उसे भीम मिले। भीम ने उससे उसकी परेशानी का कारण पूछा। किसान ने उसे सारी बात बताई और यह भी बताया कि महाराज ने उसे कल आने के लिए कहा है। किसान कि बात सुनकर भीम को दुःख हुआ। भीम उसी समय युधिष्ठिर के कक्ष में गए और बोले "महाराज युधिष्ठिर की जय हो। महाराज आप केवल युद्ध में ही विजय प्राप्त नहीं की बल्कि काल को भी पराजित कर दिया है। इस खुशी के अवसर पर नगाड़े बजवाने का आदेश दिया। यह कहकर उसने एक सवेक को नगाड़े को बजाने का आदेश दिया।

युधिष्ठिर उसके इस व्यवहार से आश्चर्य में पड़ गए। उन्होने भीम से कहा "भइया तुम किस विजय की बात कर रहे हो? और ये नगाड़े क्यों बजवा रहे हो? मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा।" भीम ने विनम्रता से उत्तर दिया "महाराज आपने किसान को कल आने के लिए कहा है। इसका मतलब है कि अपने काल पर विजय प्राप्त कर ली है और आपको पूर्ण विश्वास है कि आने वाले कल में सब कुछ ऐसा ही रहेगा जैसा आज है। परन्तु महाराज हो सकता है कि कल संपूर्ण सृष्टि का विनाश हो जाए फिर कैसा न्याय और किसका न्याय।"

भीम की बात सुनकर युधिष्ठिर को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने उसी समय उस किसान को बुलवाया और सिपाहियों को चोर का पता लगाने का आदेश दिया।

- १.१ युधिष्ठिर को राजा क्यों बनाया गया ?
महाभारत के युद्ध के पश्चात् युधिष्ठिर को हस्तिनापुर का राजा बनाया गया क्योंकि वे पाण्डव भाइयों में सबसे बड़े थे ।
- १.२ “कल करे सो आज कर आज करे सो अब ।” इस कहावत को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।
जो कुछ आप करना चाहते हो वह अभी करना । देर मत करना । जो आज करना चाहता वह अभी करना चाहिए ।
- १.३ निम्नलिखित वाक्य को अपने शब्दों में समझाइए । “विचार विमर्श कर रहे थे” ।
बातें कर रहे थे । अपने राज्य के बारे में वे पूछ ताच कर रहे थे ।
- १.४ आप के विचारों के अनुसार “नीति और न्याय” क्या है ।
अनुशासन और सही नियमों का पालन करते हैं ।
- १.५ विलोल शब्द लिखिए ।
- १.५.१ दिन रात
१.५.२ प्राचीन नया
- १.६ समानार्थी शब्द लिखिए :
- १.६.१ ख्याल याद
१.६.२ विजय जीत

प्रश्न दो

२. दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो ।

२.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए

- २.१.१ राजा (का , की , के) उँगली कटने पर मंत्री ने क्या किया ।
- २.१.२ जंगल (से , पर , में) एक पेड़ के नीचे एक शेर सोया था ।
- २.१.३ लड़के चाव से लड्डू (खाता है , खाती है , खाते हैं) ।

२.२ नीचे लिखे वाक्यों को क्रम से लिखो ।

२.२.१ खुल गई की आँख शेर । २ शेर की आँख खुल गई ।

२.२.२ वस्तु है अनमोल पानी एक । २ पानी एक अनमोल वस्तु है ।

२.३ इन शब्दों की स्त्रिलिङ्ग शब्द लिखिए

२.३.१ भाई २ बहन

२.३.२ शेर शेरनी २

२.४ इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए

२.४.१ कथा २ कथाएँ

२.४.२ बहन २ बहनें

२.५ वाक्य का सही काल लिखिए । कोष्ठक में से उत्तर चुनिए ।
(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)

२.५.१ स्वामी विवेकानन्द एक नटखट बालक थे । २ भूतकाल

२.५.२ मेले से हम क्या लेकर आएंगे । २ भविष्यत काल

२.५.३ सुमित रोटी खाता है । २ वर्तमान काल

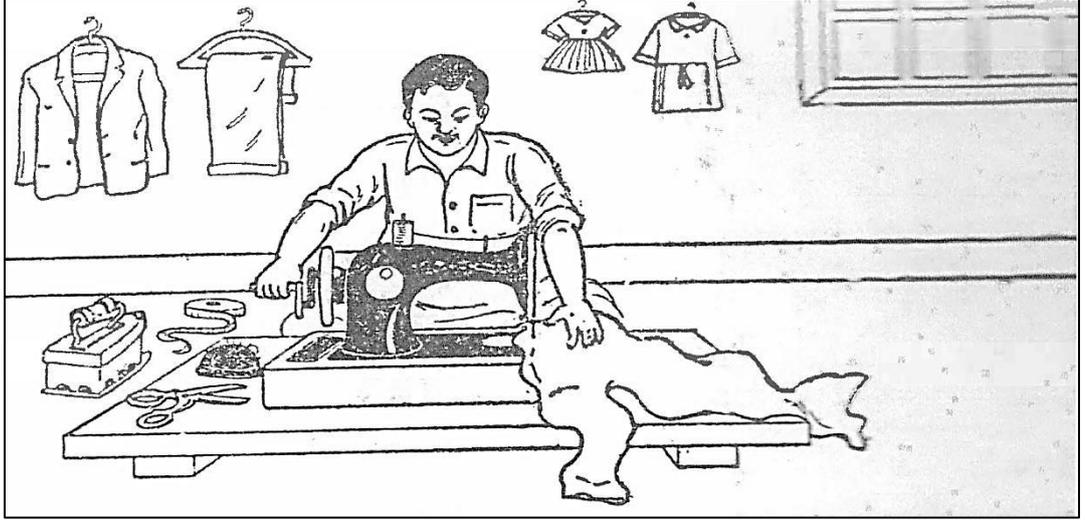
२.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए ।

२.६.१ जो कभी न मरता हो । २ अमर

२.६.२ जिसके हृदय में दया था । २ दयालु

२.७ चित्र वर्णन : निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

चित्र वर्णन



- २.७.१ यह आदमी कौन है ?
दर्जी
- २.७.२ वह क्या कर रहा है ?
वह कपड़े सिलाते है ।
- २.७.३ चित्र में आप क्या क्या देख सकते है ?
कैंची कपड़े मशीन इस्तरी
- २.७.४ किसी भी वस्तु को चुन कर बताओ यह आदमी उसे क्या करते है ?
मशीन से वह कपड़े सिलाते है ।
- २.७.५ यह काम क्यों महत्वपूर्ण है ?
ताकि लोग अपने अच्छे कपड़े पहने के लिए मिलते है ।

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ : कविता

३.१ ध्वनि

३.१.१ कविता का अनुसार "ध्वनि" का क्या अर्थ है ?

ध्वनि कहता है कि उसका अन्त कभी नहीं आएगा। इस समय इसके वन में बसन्त अपनी कोमलता लेकर आया है। बसन्त के आने से सब पत्ते हरे और डालियाँ और कलियाँ भी बहुत कोमल हैं। जब रात को कलियाँ सो जाएँगी तब उनको श्वप्न की दुनियाँ में हमे जाऊँगा जबतक वे सवेरे जागेंगे।

३.२ दीपक में पतंग जलता क्यों

३.२.१ निम्नलिखित पंक्तियों को अपने शब्दों में संक्षेप व्याख्या कीजिए : ।

पाता जड़ जीवन जीवन से
तम दिन में मिल दिन हो जाता।

एक जड़ वस्तु जीवन। जविन से पाता है। जिस तरह दिन के अकाश में अंधेरा दिन में मिल जाता है। यहाँ कवि आत्मा की अमरता की बात करती है। और कहते हैं कि जीवन के कण और फण प्रण एक ही है।

३.३ कवि "शक्ति और सौन्दर्य"

३.३.१ "शक्ति और सौन्दर्य" में कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

इस कविता में उन्होंने शक्ति और सौन्दर्य की तुलना की है। और इसमें उन्होंने शक्ति को अधिक महत्व दिया है। जिस प्रकार सूरज आकाश में चमकता और राशनी ताप देता है। उसी प्रकार दिनकरजी हमारे हिन्दी जगत में सूरज की भाँति चमके हैं। प्रश्न यह है की आप रात सुन्दर वाला और सुन्दर गरम सूरज बनना पसन्द करोगे। चाँद में सुन्दरता है और सूरज में अनोखी शक्ति है।

३.४ केवट प्रसंग अथवा सुबोध साँखियाँ - कबीरदास (answer either ३.४.१ or ३.४.२)

see attached notes for answers

३.४.१ केवट प्रसंग : इन चौपाइयों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए।

नाथु आजु मैं काह न पावा। मिटे दोष दुख दारिद दावा ॥
बहुत काल मैं किन्हि मजूरी। आजु दीन्ह विधि वनि भलि भूरी ॥
अब कछु नाथ न चाहिअ मोरे। दीनदयाल अनुग्रह तोरे।
फिरती वार मोहि जो देवा। प्रसादु मैं सिर धरि लेवा ॥

अथवा

३.४.२ सुबोध साँखियों -कबीरदास : इन दोहों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

३.४.२.१ परनारी राता फिरें । चोरी विद्धिता खाहि ।
दिवस चारि सरस रहै । अति समूला जाहि ॥

३.४.२.२ "कवीर" कहता जात हूँ, सुणता है सब कोइ
राम करे भल होइगा, नहिर भला न होइ ॥

प्रश्न ४ : कहानी (१४)

पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

४.१ चोरी : किस को शक हुआ कि बिन्दू ने चोरी की और क्यों ?

उसने देखा कि एक हाथ में झाड़ू है, पर दूसरे हाथ की मुट्ठी बँधी है और कुछ पीछे की ओर जान-बुझकर आड़ में कर ली गई है। मालती को लगा कि हो, न, हो, कमरे में से बिन्दू कुछ लाया है। उसने कहा, "बिन्दू ?"

४.२ काकी : श्यामू ने किसकी सहायता माँगी ?

विश्वेश्वर के पास जाकर बोला-काका मुझे एक पतंग मँगा दो। अभी मँगा दो। पत्नी की मृत्यु के बाद से विश्वेश्वर बहुत अन्यमनस्क से रहते थे। "अच्छा . मँगा दूँगा" कहकर वे उदास भाव से बाहर चले गए।

४.३ दुख का अधिकार : इस कहानी में दुख का अधिकार का क्या अर्थ है?

प्रस्तुत कहानी में विपन्न माता के पुत्रशोक की सम्पन्न माता के पुत्रशोक से की गई और इस तरह यह दिखलाया गया है कि "दुख का अधिकार दोनों को दुखी होने पर समान रूप से प्राप्त नहीं है। इसके मूल में आर्थिक विषमता का और संकेत किया गया है।

Total: 100 marks